राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

रोकठोक लेखनी

RNI NO. : MAHHIN/2019/77511

खबरें बे-रोकटोक

वर्ष 07 | अंक 25 | मुंबई : बुधवार 22 अप्रैल 2026 से 28 अप्रैल 2026 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 8 | कीमत : 03 रुपये

ईरान के आसमान में 50 दिनों बाद फिर गूंजेगी विमानों की गड़गड़ाहट

तेहरान-मशहद रूट से घरेलू उड़ानों की बहाली...

मध्य पूर्व में जारी तनाव और युद्ध के साये के बीच ईरान से एक बडी राहत भरी खबर सामने आई है। ईरान में लगभग 50 दिनों के लंबे अंतराल के बाद घरेलू उडान सेवाएं फिर से शुरू होने जा रही हैं। गौरतलब है कि 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल द्वारा किए गए संयुक्त हवाई हमलों के बाद से ही पूरे देश में नागरिक उड्डयन और हवाई क्षेत्र पर सख्त पाबंदियां लागू कर दी गई थीं। अब इन पाबंदियों में ढील देते हुए बुधवार, 22 अप्रैल से उडानों का परिचालन फिर से बहाल किया जा रहा है।

बहाली का पहला रूट

ईरान एयर के हवाले से जानकारी साझा की है कि घरेलू उड़ानों के लिए पहला रूट तेहरान से मशहद का चयन किया गया है। बुधवार को इस मार्ग पर दोनों दिशाओं से उड़ानों का संचालन किया जाएगा। निर्धारित शेड्यूल के अनुसार, पहली फ्लाइट संख्या 3502 सुबह 10:00 बजे तेहरान से मशहद के लिए उड़ान भरेगी। वहीं, वापसी की फ्लाइट संख्या 3503 उसी दिन दोपहर 12:30 बजे मशहद से रवाना होकर तेहरान के मेहराबाद हवाई अड्डे पर उतरेगी।

विमानन सेवाओं की यह बहाली ईरान में स्थिति के धीरे-धीरे सामान्य होने का एक महत्वपूर्ण संकेत मानी जा रही है। हालांकि जमीनी स्तर पर तनाव अभी भी बरकरार है लेकिन घरेलू परिवहन को खोलना यह दर्शाता है कि प्रशासन अब नागरिक सुविधाओं को प्राथमिकता दे रहा है। इससे पहले, पिछले शनिवार (18 अप्रैल) को ईरान ने अपने हवाई क्षेत्र को अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए भी आंशिक रूप से खोलने की घोषणा की थी।

बंगाल और तमिलनाडु में थमा चुनावी शोर!

23 अप्रैल को 'अग्निपरीक्षा', जानें सुरक्षा के इंतजाम...!

पश्चिम बंगाल : पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु, दोनों राज्यों में मंगलवार शाम को 23 अप्रैल को होने वाले मतदान से 48 घंटे पहले चुनाव प्रचार थम गया। पश्चिम बंगाल में, पहले चरण के दौरान 152 विधानसभा सीटों पर मतदान होना है, जबकि तमिलनाडु में सभी 234 सीटों के लिए मतदान होगा। इसे देखते हुए, चुनाव आयोग ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। इसके अलावा, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी कड़ी निगरानी रखी जा रही है। चुनाव प्रचार की अवधि समाप्त होने से पहले, दोनों राज्यों के शीर्ष नेताओं और उम्मीदवारों ने समर्थकों को लुभाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी। अब जब चुनाव प्रचार आधिकारिक तौर पर समाप्त हो गया है, तो किसी भी राजनीतिक दल को अपने उम्मीदवारों के समर्थन में

सार्वजनिक सभाएँ या रैलियाँ आयोजित करने की अनुमति नहीं है।

बंगाल विधानसभा चुनाव

सबसे पहले पश्चिम बंगाल की बात करें तो, यहां इस बार चुनाव दो चरणों में कराए जा रहे हैं। पहले चरण में 152 सीटों के लिए मतदान होना है। इस चरण में कुल 1,478 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। वहीं, 36,077,171 मतदाता इन उम्मीदवारों का भविष्य तय करेंगे। इन मतदाताओं में से 17,577,210 महिलाओं के अपने मताधिकार का प्रयोग करने की उम्मीद है।

नालासोपारा : बड़ा हादसा टला, चलती कार कुएं में गिरी, दो घायल...

नालासोपारा : पालघर जिले के नालासोपारा पूर्व क्षेत्र में सोमवार दोपहर एक चौंकाने वाली घटना सामने आई, जब एक कार अचानक अनियंत्रित होकर कुएं में गिर गई। यह हादसा वलाईपाड़ा इलाके में संतोषी माता मंदिर के पास हुआ, जिससे आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए। स्थानीय लोगों के अनुसार, घटना के तुरंत बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया और लोगों

ने तुरंत इसकी सूचना प्रशासन को दी। पूर्व पार्षद सचिन देसाई ने वसई-विरार नगर निगम की फायर ब्रिगेड को सूचित किया, जिसके बाद बचाव दल तेजी से मौके पर पहुंचा और राहत कार्य शुरू किया गया।

फायर ब्रिगेड की टीम ने स्थिति का निरीक्षण किया और पाया कि कुआं लगभग 30 से 40 फीट गहरा है। बचाव दल ने बिना देरी किए कुएं में सीढ़ी उतारी और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। सुरक्षा के लिए रस्सियों और सेफ्टी बेल्ट का उपयोग किया गया, ताकि अंदर फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला जा सके। काफी मशक्कत के बाद कार में फंसे दोनों लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

मुंबई : घाटकोपर में शादी स्थल पर लाइसेंसी बंदूक के दुरुपयोग का मामला दर्ज...

मुंबई : घाटकोपर ईस्ट क्षेत्र में एक शादी समारोह स्थल पर लाइसेंसी हथियार के कथित दुरुपयोग का मामला सामने आया है। इस मामले में पंत नगर पुलिस ने दो सुरक्षा गार्डों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। आरोपियों की पहचान 51 वर्षीय सुनील रामशंकर मिश्रा और 45 वर्षीय सुनील पांडे के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दोनों को एक कमर्शियल इवेंट के दौरान डबल बैरल बंदूक और जिंदा कारतूस के साथ तैनात पाया गया,

जो लाइसेंस की शर्तों के विपरीत माना जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, यह घटना ''लैवेंडर बो'' नामक शादी स्थल पर हुई, जहां एक भीड़भाड़ वाला कार्यक्रम चल रहा था। मौके पर तैनात बीट मार्शल ने सुरक्षा गार्ड को हथियार के साथ ड्यूटी करते हुए देखा, जिसके बाद मामला पुलिस तक पहुंचा। शिकायत के मुताबिक, सुनील रामशंकर मिश्रा के पास मौजूद डबल बैरल बंदूक और कारतूस को प्रयागराज में जिला मजिस्ट्रेट द्वारा खेती और व्यक्तिगत सुरक्षा के उद्देश्य से जारी लाइसेंस के तहत रखा गया था। लेकिन आरोप है कि इसका इस्तेमाल निजी सुरक्षा के कमर्शियल कार्यों के लिए किया जा रहा था, जो लाइसेंस की शर्तों का उल्लंघन है।

मुंबई : हाजी अली के पास तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से स्ट्रीट वेंडर की मौत, आरोपी गिरफ्तार

मुंबई : साउथ मुंबई क्षेत्र में हाजी अली के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में 60 वर्षीय स्ट्रीट वेंडर की मौत हो गई। यह घटना 18 अप्रैल की देर रात हुई, जब एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने पैदल जा रहे व्यक्ति को टक्कर मार दी। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी बाइक सवार को गिरफ्तार कर लिया है। मृतक की पहचान बाबू फैमुद्दीन शेख (60) के रूप में हुई है, जो ताड़देव स्थित लाला लाजपतराय गार्डन इलाके में रहते थे। वे हाजी अली सिग्नल के पास छोटी-मोटी फेरी लगाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे।

पीड़ित के बेटे अकरम बाबू शेख (35) ने पुलिस में दर्ज शिकायत में बताया कि यह हादसा रात करीब 10 बजे के.के. रोड, हाजी अली के पास एक सुलभ शौचालय के समीप हुआ। उसी दौरान एक अनजान तेज रफ्तार बाइक ने उनके पिता को टक्कर मार

दी और चालक मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी अकरम को उनके कज़िन ने फोन पर दी, जिसके बाद वे तुरंत मौके पर पहुंचे। वहां उन्होंने अपने पिता को गंभीर रूप से घायल अवस्था में सड़क पर पड़ा पाया। स्थानीय लोगों की मदद से घायल बाबू शेख को तुरंत नायर अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, डॉक्टरों ने रात करीब 11 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद परिवार में शोक का माहौल है। पुलिस के अनुसार, मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच शुरू की गई और कुछ ही समय में आरोपी बाइक सवार को पकड़ लिया गया। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है और यह जानने की कोशिश कर रही है कि दुर्घटना लापरवाही से हुई या तेज रफ्तार के कारण नियंत्रण खोने से। स्थानीय लोगों का कहना है कि हाजी अली क्षेत्र में अक्सर तेज रफ्तार वाहनों की वजह से दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। उन्होंने इस इलाके में ट्रैफिक नियंत्रण और निगरानी बढ़ाने की मांग की है। पुलिस ने बताया कि मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है और आरोपी के खिलाफ सड़क दुर्घटना से संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है।

मुंबई : धरणगांव के नेता ने नजरअंदाज किए जाने पर ट्रैक्टर से क्रिकेट पिच को नुकसान पहुंचाया...

मुंबई : महाराष्ट्र में एक म्युनिसिपल लीडर ने गुस्से में एक लोकल क्रिकेट टूर्नामेंट में हंगामा कर दिया, क्योंकि उन्हें फाइनल मैच का इनविटेशन नहीं मिला। यह घटना 12 अप्रैल को मुंबई से करीब 400किलोमीटर दूर धरनगांव शहर में विधायक ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के दौरान हुई। धरनगांव म्युनिसिपल काउंसिल के प्रेसिडेंट, फाइनल मैच देखने के लिए इनवाइट न किए जाने से गुस्सा होकर, कथित तौर पर मैदान में एक ट्रैक्टर ले आए और पिच को खराब कर दिया। चश्मदीदों ने इस सीन को चौंकाने वाला बताया, जिसमें ऑफिसर खेल के मैदान में गाड़ी चलाकर गए, जिससे मैदान कीचड़ से भर गया और खेलने लायक नहीं रहा। ऑर्गनाइजर और खिलाड़ी हैरान रह गए क्योंकि ध्यान से तैयार की गई क्रिकेट पिच कुछ ही मिनटों में बेकार हो गई।

फाइनल के लिए इकट्ठा हुए क्रिकेटर, एडमिनिस्ट्रेटर और दर्शक बेबस हो गए। म्युनिसिपल प्रेसिडेंट की इस हरकत से न सिर्फ चल रहा टूर्नामेंट रुक गया, बल्कि ऑर्गनाइजर को खिलाड़ियों की सुरक्षा पक्का

करने के लिए जिस फाइनल मैच का बेसब्री से इंतजार था, उसे भी कैंसिल करना पड़ा। खिलाड़ी और दर्शक कथित तौर पर निराश थे, क्योंकि यह टूर्नामेंट लोकल स्पोर्ट्स कैलेंडर का एक अहम इवेंट था। टूर्नामेंट के ऑर्गनाइजर ने इस घटना पर अपनी निराशा जाहिर की, और कहा कि ऐसा प्रदर्शन किसी उकसावे की वजह से नहीं हुआ था।

उन्होंने लॉजिस्टिकल और प्रोटोकॉल कारणों से म्युनिसिपल लीडर को फाइनल में नहीं बुलाया था, लेकिन उनका रिएक्शन उम्मीद से ज्यादा और बहुत ज्यादा था। इस हरकत के पब्लिक होने के बावजूद, म्युनिसिपल प्रेसिडेंट के खिलाफ अभी तक कोई फॉर्मल शिकायत दर्ज नहीं की गई है। धरणगांव के लोगों ने एक चुने हुए अधिकारी के पब्लिक प्रॉपर्टी के प्रति इस तरह की बेइज्जती दिखाने वाले व्यवहार पर चिंता जाहिर की। कई लोगों ने इस हरकत को भरोसे का उल्लंघन और पावर के गलत इस्तेमाल का एक उदाहरण बताया। एक लोकल रहने वाले ने कहा, ''यह देखना चौंकाने वाला है कि एक पब्लिक रिप्रेजेंटेटिव कम्युनिटी के लिए बनी एक सुविधा को, खासकर एक स्पोर्टिंग ग्राउंड को, जिसे युवा क्रिकेटर जोश के साथ इस्तेमाल करते हैं, नष्ट कर रहा है।'' विधायक ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट, जो हर साल होता है, इस इलाके का एक बड़ा स्पोर्टिंग इवेंट है। यह लोकल टीमों और क्रिकेट के शौकीनों को एक साथ लाता है, जिससे एमेच्योर खिलाड़ियों को अपना टैलेंट दिखाने का एक प्लेटफॉर्म मिलता है।

मुंबई : महारेरा ने 2025-26 में 10,379 हाउसिंग प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी

मुंबई : महाराष्ट्र रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (महारेरा) ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य में कुल 10,379 हाउसिंग प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है। इस बड़े आंकड़े से महाराष्ट्र के रियल एस्टेट सेक्टर को महत्वपूर्ण मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। इन स्वीकृत परियोजनाओं में से 4,204 प्रोजेक्ट्स को नए रजिस्ट्रेशन नंबर जारी किए गए हैं, जबकि 2,488 प्रोजेक्ट्स में आवश्यक सुधार किए गए हैं। इसके अलावा डेवलपर्स द्वारा संशोधित योजनाओं के साथ आवेदन जमा करने पर 3,687 हाउसिंग प्रोजेक्ट्स को समय सीमा विस्तार (टाइमलाइन एक्सटेंशन) भी दिया गया है। महारेरा के अनुसार, यह सभी

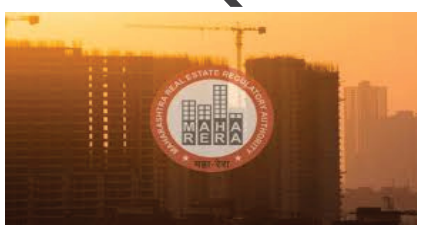

प्रक्रियाएं रियल एस्टेट (रेगुलेशन एंड डेवलपमेंट) एक्ट, 2016 के प्रावधानों के तहत की गई हैं। नियमों के अनुसार किसी भी प्रोजेक्ट में योजना, डिजाइन या निर्माण से जुड़ा कोई भी बदलाव होने पर अथॉरिटी की मंजूरी अनिवार्य होती है। यदि किसी प्रोजेक्ट के पंजीकरण के समय जमा किए गए प्लान में बाद में कोई संशोधन, परिवर्तन या नया जोड़ किया जाता है, तो डेवलपर को महारेरा से पुनः अनुमति लेना आवश्यक होता है। यह व्यवस्था पारदर्शिता बनाए रखने और होमबायर्स के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लागू की गई है।

अधिकारियों के अनुसार, बड़ी संख्या में प्रोजेक्ट्स को मंजूरी मिलने से राज्य में हाउसिंग सेक्टर की गति तेज होगी और निवेश के अवसर भी बढ़ेंगे। इससे न केवल डेवलपमेंट गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी उत्पन्न होंगे। महारेरा का कहना है कि उनका मुख्य उद्देश्य रियल एस्टेट सेक्टर में पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्ध प्रोजेक्ट डिलीवरी सुनिश्चित करना है। इसीलिए हर प्रोजेक्ट के बदलाव और विस्तार को नियमों के तहत ही मंजूरी दी जाती है।

मुंबईः 132 कंटेनरों में छिपा था खेलः तूर दाल के नाम पर मटर-बीज की तस्करी...

मुंबईः राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने मुंबई में बड़ी कार्रवाई करते हुए नवाशेवा पोर्ट पर 132 कंटेनरों में छिपाकर लाई गई करीब 139 करोड़ रुपये की तस्करी का खुलासा किया है। जांच में सामने आया कि इन कंटेनरों में तरबूज के बीज और हरी मटर को गलत तरीके से तूर दाल घोषित कर आयात किया गया था।

अधिकारियों के अनुसार, यह आयात नियमों का उल्लंघन कर किया गया, क्योंकि सरकार ने किसानों के हितों की रक्षा के लिए कुछ कृषि उत्पादों के आयात पर सख्त नियंत्रण और प्रतिबंध लगा रखे हैं। तस्करों ने इसी नियम से बचने के लिए माल का गलत विवरण देकर कस्टम जांच को गुमराह करने की कोशिश की। डीआरआई की टीम ने न्हावा शेवा बंदरगाह पर कार्रवाई करते हुए सभी 132 कंटेनरों को जब्त कर लिया। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि यह तस्करी संगठित नेटवर्क के जरिए की जा रही थी, जिसमें कई लोग शामिल हो सकते हैं। इस मामले में आयात करने वाली फर्म के मालिक को गिरफ्तार कर लिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि पूछताछ के दौरान कई अहम सुराग मिले हैं, जिनके आधार पर इस रैकेट के अन्य सदस्यों तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है। डीआरआई ने बताया कि यह कार्रवाई किसानों के हितों की रक्षा और अवैध आयात पर रोक लगाने के लिए की गई है। विभाग अब इस पूरे नेटवर्क की गहराई से जांच कर रहा है, ताकि इसमें शामिल अन्य लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सके। यह मामला देश में बड़े स्तर पर हो रही कृषि उत्पादों की तस्करी और कस्टम नियमों के दुरुपयोग को उजागर करता है।

मुंबई पहुंचे पुणे के ड्राइवर... बाइक टैक्सी पर पूर्ण प्रतिबंध की मांग

मुंबई : पुणे के ड्राइवरों ने अवैध बाइक टैक्सियों के बढ़ते चलन के खिलाफ पुणे से मुंबई तक पैदल मार्च किया और अब राज्य की राजधानी में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी है. आंदोलनकारियों की मुख्य मांग है कि ओला, उबर और रैपिडो जैसे एग्रीगेटर्स के किराये के ढांचे में पूरी पारदर्शिता लाई जाए और पारंपरिक ड्राइवरों के लिए उचित किराया सुनिश्चित किया जाए. ड्राइवरों का कहना है कि एग्रीगेटर कंपनियां किस आधार पर किराया वसूल रही हैं और ड्राइवरों को क्या हिस्सा मिल रहा है, इसकी स्पष्ट जानकारी और सरकारी निगरानी होनी चाहिए. जब तक सरकार बाइक टैक्सियों पर प्रतिबंध को लागू नहीं करती और समान मूल्य निर्धारण सुनिश्चित नहीं करती, तब तक मुंबई में ड्राइवरों ही हड़ताल जारी रहेगी. ड्राइवरों का तर्क है कि अवैध बाइक टैक्सियों के कारण उनके व्यवसाय को भारी नुकसान हो रहा है, क्योंकि एग्रीगेटर कंपनियां नियमों का उल्लंघन कर कम दरों पर सेवाएं दे रही हैं.

अमरावती : अयान ने माना, ''मेरे गुरु ने मुझे सिखाया कि ऑनलाइन लड़कियों को कैसे लुभाया जाता...

अमरावती : सोशल मीडिया के जरिए लड़कियों को प्यार के जाल में फंसाकर उनकी ज़िंदगी बर्बाद करने वाले अयान अहमद नाम के कातिल का असली चेहरा अब सामने आ गया है। हालांकि पुलिस ने उसके और दूसरे गिरफ्तार आरोपियों से 18 अश्लील वीडियो और 39 तस्वीरें जब्त की हैं, लेकिन पुलिस जांच में यह चौंकाने वाली बात सामने आई है कि इस कातिल को अपने किए पर जरा भी 'पछतावा' नहीं है। अयान SIT के सामने एक आम क्रिमिनल की तरह बर्ताव कर रहा है, और उसके चेहरे पर पछतावे की जगह बेशर्मी साफ दिख रही है।

SIT टीम कातिल अयान से छह दिनों से पूछताछ कर रही है। हालांकि, इस पूछताछ में उसने जो जानकारी दी है, वह चौंकाने वाली है। उसने कबूल किया है कि उसने लड़कियों से बात करना और उन्हें अपने जाल में फंसाना एक खास गुरु से सीखा था। मेरे दोस्त भी हैरान रह गए। पुलिस ने अयान के साथी मानव सुगंधे और अयान के वीडियो चोर उजेर खान को 'खाकी' स्टाइल में आमने-सामने बिठाकर पूछताछ की। अयान ने यह बेरहमी वाला काम मानव सुगंदे की मदद से किया, जिसने एक घंटे के लिए किराए पर फ्लैट दिया था। पुलिस ने अब तक एक मोबाइल, लैपटॉप और हार्ड डिस्क जब्त कर ली है, और अयान के आस-पास टेक्निकल सबूतों का जाल बुन दिया है। अयान का 'वो मैं नहीं हूँ' वाला राग, पीड़िता ने ही हटाया होगा दिलचस्प बात यह है कि सिर्फ.आठ ही नहीं बल्कि कई लड़कियाँ हमारे टच में थीं और अमरावती से वह यह दावा करके अपना बचाव करने की कोशिश कर रहा है कि कथरा नाका वाले फ्लैट में जो हुआ वह 'सहमति से' हुआ था। हालाँकि, उसका दावा तब और बढ़ गया जब एक 15 साल की लड़की गवाही देने के लिए सामने आई।

मुंबई : पार्कसाइट में साहूकार पर केस, ब्याज वसूली और धमकी का आरोप

मुंबई : मुंबई के पार्कसाइट पुलिस स्टेशन ने एक कथित साहूकार और वकील हाशमी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। उस पर आरोप है कि उसने बिना लाइसेंस के ऊंची ब्याज दर पर अवैध रूप से पैसे उधार दिए और बाद में एक बिजनेसमैन को धमकाकर करीब 68 लाख रुपये की वसूली की। पुलिस ने यह कार्रवाई दर्ज एफआईआर के आधार पर की है। शिकायतकर्ता मोहम्मद नसीम रईस हाशमी (49) विक्रोली ईस्ट के गोदरेज गार्डन एन्क्लेव में अपने परिवार के साथ रहते हैं और विक्रोली वेस्ट के पार्कसाइट इलाके में 'जरीन वुड क्राफ्ट' नाम से लकड़ी के ज्वेलरी बॉक्स बनाने की यूनिट चलाते हैं। एफआईआर के अनुसार, आरोपी मूल रूप से प्रयागराज, उत्तर प्रदेश का रहने वाला है और पार्कसाइट इलाके में रहता था। उस पर आरोप है कि वह बिना किसी वैध लाइसेंस के साहूकारी का कारोबार चला रहा था।

शिकायत के मुताबिक, साल 2006 में व्यवसाय की जरूरतों के चलते नसीम हाशमी ने आरोपी से 10 प्रतिशत मासिक ब्याज दर पर 1 लाख रुपये नकद उधार लिए थे। इसके बाद 2006 और 2007 के बीच उन्होंने इसी शर्त पर अलग-अलग किश्तों में कुल 4 लाख रुपये और लिए। शुरूआती वर्षों में उन्होंने 2008 तक हर महीने करीब 50,000 रुपये ब्याज के रूप में चुकाए, जो कैश और बेयरर चेक के माध्यम से दिए गए थे। इसके बाद जब ब्याज का बोझ बढ़ने लगा तो शिकायतकर्ता ने आरोपी से ब्याज दर कम करने की अपील की। आरोप है कि इसके बाद आरोपी ने ब्याज दर घटाकर 6 प्रतिशत मासिक कर दी। इस नई शर्त के तहत शिकायतकर्ता ने 2010 तक हर महीने लगभग 30,000 रुपये का भुगतान किया।

हालांकि, एफआईआर में यह भी उल्लेख किया गया है कि भुगतान में देरी होने पर आरोपी ने कथित तौर पर शिकायतकर्ता को धमकाना शुरू कर दिया। आरोप है कि उसे शारीरिक नुकसान पहुंचाने और जान से मारने की धमकी दी गई। इससे दबाव में आकर शिकायतकर्ता ने कथित रूप से कुल लगभग 68 लाख रुपये का भुगतान किया। पुलिस के अनुसार, यह मामला अवैध साहूकारी और जबरन वसूली से जुड़ा हुआ है। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी लंबे समय से बिना लाइसेंस के इस तरह का वित्तीय कारोबार चला रहा था। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि क्या इस तरह के अन्य मामले भी आरोपी से जुड़े हुए हैं और क्या और लोग भी इसके शिकार हुए हैं। पार्कसाइट पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि डिजिटल और बैंकिंग रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है ताकि पूरे लेन-देन और वसूली की सच्चाई सामने आ सके।

मुंबई ओपन स्पेस पॉलिसी पर देरी... बीजेपी कॉर्पोरेटर ने बीएमसी को लिखा पत्र

मुंबई : बृहन्मुंबई महानगरपालिका की ओपन स्पेस पॉलिसी को अंतिम रूप देने में हो रही देरी को लेकर सवाल उठने लगे हैं। यह नीति वर्ष 2016 से लंबित है। इसी मुद्दे को लेकर कोलाबा से बीजेपी कॉर्पोरेटर मकरंद नार्वेकर ने लोकल एएलएम (एडवांस्ड लोकैलिटी मैनेजमेंट) ग्रुप्स के साथ मिलकर बीएमसी को पत्र लिखा है और जल्द निर्णय लेने की मांग की है। अपने पत्र में मकरंद नार्वेकर ने मेयर रितु तावड़े और बीएमसी चीफ अश्विनी भिड़े को संबोधित करते हुए कहा है कि शहर में ओपन स्पेस से जुड़ी नीति लंबे समय से अधर में है, जिसके कारण

मुंबई के सीमित होते खुले स्थानों पर अतिक्रमण और गलत उपयोग की समस्याएं बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि औपचारिक नीति के अभाव में गार्डन और सार्वजनिक खुले स्थानों का सही प्रबंधन नहीं हो पा रहा है।

इस मांग में कई स्थानीय एएलएम समूह भी शामिल हैं, जिनमें माई ड्रीम कोलाबा, कोलाबा एडवांस्ड लोकैलिटी मैनेजमेंट, ओल्ड कफ परेड रेजिडेंट्स एसोसिएशन और स्ट्रैंड मार्ग रेजिडेंट्स एसोसिएशन शामिल हैं। इन समूहों का कहना है कि ओपन स्पेस को सुरक्षित और व्यवस्थित रखने के लिए एक स्पष्ट नीति बेहद जरूरी है। पत्र में कई सुझाव भी दिए गए हैं, जिनमें ओपन स्पेस के लिए एक समर्पित मोबाइल एप्लीकेशन विकसित करना शामिल है, ताकि नागरिक आसानी से पार्क और सार्वजनिक स्थानों की जानकारी और स्थिति की रिपोर्ट कर सकें। इसके अलावा एक संयुक्त वॉचडॉग कमेटी बनाने की मांग की गई है, जो ओपन स्पेस के उपयोग और संरक्षण पर नजर रखे। एक अन्य महत्वपूर्ण सुझाव यह है कि हर प्रशासनिक वार्ड में केवल महिलाओं के लिए विशेष गार्डन बनाए जाएं, जिससे महिलाओं के लिए सुरक्षित और समर्पित सार्वजनिक स्थान उपलब्ध हो सकें। कॉर्पोरेटर का कहना है कि मुंबई में ओपन स्पेस पहले से ही सीमित हैं और यदि समय पर नीति लागू नहीं की गई तो इन स्थानों पर और अधिक अतिक्रमण होने की संभावना है।

कमाठीपुरा की नई तस्वीर, जर्जर इमारतों की जगह लेंगे आलीशान टावर; मिटेगा दशकों पुराना 'कलंक'

मुंबई : कमाठीपुरा के इतिहास में एक नया अध्याय शुरू हो रहा है। इस इलाके की मशहूर 15 गलियां (लेन) अब सिमटकर छह से आठ चौड़ी गलियों में बदल जाएंगी, और ज्यादातर गलियों के नाम भी बदल जाएंगे। यहां सिर्फ कुछ ही जगहों पर 'कमाठीपुरा' नाम दिखाई देगा, जबकि एक बगीचा और एक म्यूरल इसकी कहानी को आने वाली पीढ़ियों के लिए सहेजकर रखेंगे। यह कहानी मुंबई की पहचान का एक जटिल, फिर भी अहम हिस्सा है। अपने विवादित अतीत को देखते हुए, कई निवासी चाहते हैं कि कमाठीपुरा अपनी पुरानी 'रेड-लाइट डिस्ट्रिक्ट' वाली पहचान को पीछे छोड़ दे। जैसे-जैसे यहां पुनर्निर्माण का काम आगे बढ़ रहा है, स्थानीय लोग अपने विधायक अमीन पटेल से मिलकर यह गुजारिश कर रहे हैं कि, इस इलाके के नाम और इसकी छवि को बदला जाए। हालांकि, नागरिकों का एक तबका यह भी मानता है कि मुंबई के इतिहास में इस इलाके की जो जगह है, उसे सुरक्षित रखा जाना चाहिए।

34 एकड़ में फैली है 15 संकरी गलियां

दरअसल, ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण इस इलाके का बड़े पैमाने पर पुनर्निर्माण होने जा रहा है। 'मुंबई बिल्डिंग रिपेयर्स एंड रिकंस्ट्रक्शन बोर्ड' (टइफ्फ्ह) ने लगभग 8000 निवासियों के लिए स्थायी और सुरक्षित घरों का निर्माण करने की योजना बनाई है, इसके साथ ही लगभग 800 जमीन मालिकों को मुआवजा देने का भी प्रस्ताव रखा है।

मजदूरी करने आए लोगों को सबसे पहले बसाया गया था

इतिहासकारों की माने तो कमाठीपुरा को पुराने 'फोर्ट' इलाके के उत्तरी छोर के पास स्थित एक दलदली जमीन पर बसाया गया था। यहां सबसे पहले तेलुगू भाषी प्रवासी आकर बसे थे, जिन्हें 'कामाठी' कहा जाता था; ये लोग निर्माण-कार्य में मजदूरों के तौर पर काम करते थे। बाद में, जैसे-जैसे मिलों और बंदरगाह से जुड़ी गतिविधियों में तेजी आई, यहां के कई निवासी औद्योगिक क्षेत्र में काम करने लगे। समय के साथ, यहां यौन-कर्म का धंधा भी पनपने लगा, और कमाठीपुरा मुंबई के सबसे बड़े 'रेड-लाइट डिस्ट्रिक्ट' के तौर पर जाना जाने लगा।

विधायक ने संतुलन बनाने की बात कही

क्षेत्र के विधायक अमीन पटेल की माने तो, जैसे ही पुनर्निर्माण का डिजाइन और लेआउट (नक्शा) पूरी तरह से तैयार हो जाएगा। वह सभी जन-प्रतिनिधियों जिनमें नगर निगम के पार्षद भी शामिल हैं, उनको विश्वास में लेंगे। इसके अलावा, वह स्थानीय विशेषज्ञों से भी सलाह-मशविरा करेंगे; इन विशेषज्ञों ने इस इलाके का बारीकी से अध्ययन किया है। उन लोगों की पहचान की है, जिन्होंने इस इलाके के विकास में अपना योगदान दिया है, ताकि गलियों के नाम उन्हीं लोगों के नाम पर रखे जा सकें।

म्हाडा हाउसिंग स्कीम को जबरदस्त रिस्पॉन्स

मुंबई : मुंबई के अलग-अलग हिस्सों में म्हाडा ने 2640 घरों की लॉटरी निकाली है। इन घरों के लिए अब तक 26,812 लोगों ने रूचि दिखाई है। म्हाडा से मिली जानकारी के अनुसार रविवार शाम तक कुल 26,812 आवेदन प्राप्त हुए थे. इनमें से 14,900 आवेदकों ने डिपॉजिट के साथ आवेदन प्रक्रिया पूरी कर ली है। ऑनलाइन आवेदन जमा करने की आखिरी तारीख 29 अप्रैल, 2026, रात 11.59 बजे तक है। साथ ही ऑनलाइन डिपॉजिट अमाउंट 30 अप्रैल, 2026, रात 11.59 बजे तक स्वीकार किए जाएंगे। प्राप्त आवेदनों की ड्राफ्ट लिस्ट 5 मई, 2026 को दोपहर 3 बजे सार्वजनिक की जाएगी। ड्राफ्ट लिस्ट पब्लिश होने की तारीख से ऑनलाइन क्लेम और ऑब्जेक्शन फाइल करने की अंतिम तारीख 8 मई 2026 को दोपहर 3 बजे तक दी गई है।

36वां महाराष्ट्र पुलिस स्पोर्ट्स कॉम्पिटिशन 2026 मुंबई में 20 अप्रैल से शुरू...

मुंबई : 36वां महाराष्ट्र स्टेट पुलिस स्पोर्ट्स कॉम्पिटिशन 2026 का आयोजन इस वर्ष 20 अप्रैल से 27 अप्रैल 2026 तक बृहन्मुंबई पुलिस कमिश्नरेट के अंतर्गत किया जाएगा। इस बड़े खेल आयोजन में राज्य भर के पुलिस बल के खिलाड़ियों की भागीदारी देखने को मिलेगी, जिससे खेल भावना और फिटनेस को बढ़ावा मिलेगा। इस प्रतियोगिता में कुल 18 प्रकार के खेल शामिल किए गए हैं। इनमें एथलेटिक्स, फुटबॉल, वॉलीबॉल, हैंडबॉल, बास्केटबॉल, खो-खो, कबड्डी, ताइक्वांडो, वुशु, जूडो, कुश्ती, बॉक्सिंग, हॉकी, वेटलिफ्टिंग, पावरलिफ्टिंग, बॉडीबिल्डिंग, क्रॉस-कंट्री और स्विमिंग जैसे प्रमुख खेल शामिल हैं। इन खेलों के माध्यम से पुलिस कर्मियों की शारीरिक क्षमता, अनुशासन और टीम भावना को बढ़ावा देने का उद्देश्य रखा गया है।

इस आयोजन में महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों से लगभग 3,700 पुरुष और महिला खिलाड़ी भाग लेने की उम्मीद है। बड़ी संख्या में प्रतिभागियों की उपस्थिति इस प्रतियोगिता को और अधिक प्रतिस्पर्धी और आकर्षक बनाएगी। प्रतियोगिता के मैच और मुकाबले मुंबई के विभिन्न प्रमुख स्थलों पर आयोजित किए जाएंगे। इनमें मुंबई यूनिवर्सिटी, टऌअ चर्चगेट, आर्म्ड पुलिस मरोल (अंधेरी ईस्ट), अंधेरी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और आर्म्ड पुलिस कल्याण (कलिना, सांताक्रूज ईस्ट) जैसे स्थान शामिल हैं। इन सभी स्थानों पर आवश्यक खेल सुविधाएं और सुरक्षा व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। इस आयोजन का एक विशेष आकर्षण 25 अप्रैल 2026 को होने वाला सेलिब्रिटी और सीनियर पुलिस अधिकारियों के बीच फुटबॉल मैच होगा। इस मुकाबले में फिल्म जगत के कलाकार और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एक साथ मैदान पर नजर आएंगे, जिससे कार्यक्रम में मनोरंजन और उत्साह का अलग माहौल बनेगा। पुलिस विभाग के अनुसार, इस खेल प्रतियोगिता का उद्देश्य केवल प्रतिस्पर्धा नहीं बल्कि पुलिस बल में स्वास्थ्य, अनुशासन और आपसी सहयोग को मजबूत करना भी है। साथ ही यह आयोजन पुलिस कर्मियों को तनावमुक्त वातावरण में अपनी खेल प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करेगा। आयोजन समिति ने सभी तैयारियां तेज कर दी हैं और विभिन्न खेल स्थलों पर व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

संपादकीय...

एआई के नए युग में संचालन और नियमन ढांचा जरूरी...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

हाल ही में क्लॉड मिथोस प्रिव्यू (सीएमपी) की प्रस्तुति और उसकी निमार्ता एंथ्रोपिक का नए मॉडल तक पहुंच को सीमित करने का निर्णय आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) क्षमता में गुणात्मक छलांग और उन क्षमताओं से उत्पन्न नए अवसरों और खतरों को उजागर करता है। सीएमपी स्वायत्त रूप से सभी प्रकार के सॉफ्टवेयर का अंकेक्षण कर सकता है, जिसमें ऑपरेटिंग सिस्टम और पुराने प्रोग्राम शामिल हैं। यह अभूतपूर्व पैमाने पर बग और कमजोरियों की पहचान कर सकता है और जानकारी दी गई है कि इसने आमतौर पर उपयोग किए जाने वाले ऑपरेटिंग सिस्टम में हजारों अज्ञात खामियों की खोज की। सैद्धांतिक रूप से इसे व्यापक पैमाने पर ऐसी कमियों को दूर करने के लिए प्रयोग में लाया जा सकता है। इसे नए प्रोग्रामों का पूर्वावलोकन और अंकेक्षण करने के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे बग-रहित और सुरक्षित हों। जब एंथ्रोपिक को इस नए मॉडल की क्षमताओं का अंदाजा लगा तो उसने यह स्वीकार किया कि इस नए मॉडल को सामान्य रूप से जारी करना बहुत खतरनाक हो सकता है। अब सीएमपी तक पहुंच कुछ सीमित संगठनों के समूह तक प्रतिबंधित रखी गई है और इसे प्रोजेक्ट ग्लासविंग नाम दिया गया है। ग्लासविंग के अधीन एंथ्रोपिक, ऐपल, ब्रॉडकॉम, सिस्को, क्राउडस्ट्राइक, गूगल तथा सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की अन्य कंपनियां मिलकर सीएमपी का परीक्षण और इस्तेमाल करेंगी लेकिन इस मॉडल को आम लोगों के लिए नहीं खोला जाएगा। केंद्रीय बैंक और सरकारी संस्थाएं भी इस मॉडल तक पहुंच सकती हैं।

यह चिंता का कारण हो सकता है क्योंकि सरकारें साइबर युद्ध में संलग्न होती हैं। यह सावधानी संकेत देती है कि अब एआई उन संकीर्ण तकनीकी श्रेणियों में आती है जिनके लिए केवल नियम ही नहीं बल्कि कठोर शासन संरचनाएं और पहुंच प्रतिबंध आवश्यक हैं। जैसे परमाणु ऊर्जा, विमानन और कुछ सैन्य तकनीकों के साथ होता है, सीएमपी के बड़े पैमाने पर उपयोग से पहले सुरक्षा, नियंत्रण और निगरानी स्थापित की जानी चाहिए। सीएमपी सॉफ्टवेयर उद्योग के काम करने के तरीके को बदल देता है। भविष्य में, साइबर सुरक्षा केवल बुरे तत्वों से सिस्टम की रक्षा करने तक सीमित नहीं रहेगी। यह मूल रूप से एआई के प्रबंधन और नियंत्रण का विषय बन जाएगी, जो स्वायत्त रूप से कमजोरियों की खोज और उनका दोहन कर सकती है। सिस्टम को बग रहित करने का तरीका पूरी तरह बदल जाएगा। कोड को इंसान द्वारा पंक्ति दर पंक्ति देखकर कभी-कभी बग ढूंढने और उसे पैच या एक्सप्लॉइट करने के बजाय, सीएमपी एक सप्ताह में पूरे ऑपरेटिंग सिस्टम की 50 लाख बार समीक्षा कर सकता है। नए प्रतिमान में बग तलाश करना अब कोई बड़ी समस्या नहीं रह गई है।

editor@rokthoklekhani.com
+91 9987775650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

मुंबई : महाराष्ट्र सरकार ने 9 आईपीएस अधिकारियों का किया तबादला

मुंबई : कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के मकसद से किए गए एक बड़े प्रशासनिक फेरबदल में महाराष्ट्र सरकार ने सोमवार को भारतीय पुलिस सेवा के 9 अधिकारियों का तबादला कर दिया। इस तबादला आदेश के बाद सतारा, सांगली, गढ़चिरौली, कोल्हापुर और जलगांव जैसे अहम जिलों में नई अगुवाई देखने को मिलेगी। सरकार ने कहा कि इन रणनीतिक नियुक्तियों का उद्देश्य पुलिस प्रशासन को सुव्यवस्थित करना और राज्य की सुरक्षा व्यवस्था की कार्यक्षमता को बढ़ाना है।

तुषार दोषी का तबादला सतारा में पुलिस अधीक्षक के पद से कर दिया गया, उन्हें सांगली के पुलिस अधीक्षक का कार्यभार संभालने के लिए भेजा गया। गौरतलब है कि हाल ही में सतारा जिला परिषद चुनावों को लेकर उपजे एक राजनीतिक विवाद के केंद्र में दोषी थे, जिसके चलते उनके निलंबन और अनिवार्य अवकाश पर भेजे जाने की मांग उठने लगी थी। निखिल पिंगले पुणे में पुलिस उपायुक्त के पद से हटकर सतारा के पुलिस अधीक्षक के रूप में दोषी का स्थान लेने के लिए चले गए। इसी तरह, संदीप घुगे को सांगली में उनके कर्तव्यों से मुक्त कर दिया गया और उन्हें मुंबई के राज्य खुफिया विभाग में पुलिस उपायुक्त (सुरक्षा) के पद पर नियुक्त किया गया। वहीं, योगेश गुप्ता का तबादला कोल्हापुर के पुलिस अधीक्षक पद से गढ़चिरौली रेंज में पुलिस उप महानिरीक्षक (अतिरिक्त प्रभार) के रूप में कर दिया गया।

इसके अलावा, निलोतपल का तबादला गड़चिरोली से कोल्हापुर के नए पुलिस अधीक्षक के रूप में किया गया। एम रमेश को पदोन्नत कर गड़चिरोली का पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया। यह फेरबदल राज्य अपराध जांच विभाग और उत्तरी महाराष्ट्र तक फैला हुआ था। महेश्वर रेड्डी का तबादला जलगांव से राज्य अपराध जांच विभाग, पुणे कर दिया गया। श्रीकांत धिवारे धुले से जलगांव के पुलिस अधीक्षक का कार्यभार संभालने के लिए आए और राजकुमार शिंदे को पुणे से वाशिम में पुलिस अधीक्षक के रूप में फिर से तैनात किया गया। राज्य सरकार ने पुलिस महानिदेशक को निर्देश दिया है कि वे एक सुचारू बदलाव सुनिश्चित करने के लिए तत्काल आगे की कार्रवाई शुरू करें, जिसमें सार्वजनिक सुरक्षा और व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। आदेश में कहा गया है कि यह निर्णय सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी से जारी किया गया है और इसका उद्देश्य पूरे राज्य में एक अधिक मजबूत कानून-व्यवस्था ढांचा सुनिश्चित करना है। सतारा जिला परिषद अध्यक्ष चुनावों के दौरान हुई अफरा-तफरी के बाद तुषार दोषी हाल ही में खबरों में छाए रहे। मतदान क्षेत्र के अंदर ही दो वरिष्ठ मंत्रियों - शंभूराज देसाई और मकरंद पाटिल - के बीच हाथापाई हो गई थी।

एंटी-नारकोटिक्स सेल की बड़ी कार्रवाई, 6 करोड़ की एमडीएमए जब्त!

मुंबई : मुंबई पुलिस ने शनिवार देर रात एक बड़े एंटी-नारकोटिक्स ऑपरेशन में बड़ी सफलता हासिल की है। इस कार्रवाई में पुलिस ने लगभग ₹6 करोड़ मूल्य की एमडीएमए (एक्स्टसी) गोलियां जब्त कीं और ठाणे जिले के टिटवाला क्षेत्र से एक 35 वर्षीय महिला को गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला को ड्रग डिस्ट्रीब्यूशन रैकेट से जुड़ा बताया जा रहा है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान पॉल (35) के रूप में हुई है, जो भारतीय नागरिक है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, उसने केरल के पॉल सरनेम वाले एक व्यक्ति से विवाह किया था, लेकिन दोनों अब साथ नहीं रह रहे हैं। वर्तमान में वह टिटवाला में एक किराए के मकान में रह रही थी, जो कल्याण तालुका पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आता है।

पुलिस का कहना है कि यह कार्रवाई एंटी-नारकोटिक्स सेल द्वारा की गई एक सटीक योजना और निगरानी के बाद संभव हुई। जांच के दौरान यह सामने आया कि आरोपी ड्रग सप्लाई नेटवर्क में सक्रिय भूमिका निभा रही थी और एक बड़े सिंडिकेट से उसके जुड़े होने की आशंका है। छापेमारी में पुलिस ने बड़ी मात्रा में एमडीएमए की गोलियां बरामद कीं, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग ₹6 करोड़ आंकी गई है। अधिकारियों के अनुसार, यह बरामदगी मुंबई और आसपास के क्षेत्रों में सक्रिय ड्रग नेटवर्क के खिलाफ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है।

जांचकताओं का मानना है कि आरोपी इस पूरे नेटवर्क में एक प्रमुख सप्लायर के रूप में काम कर रही थी। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि ड्रग्स की आपूर्ति कहां से हो रही थी और इसका वितरण किन-किन क्षेत्रों में किया जा रहा था। सूत्रों के अनुसार, आरोपी की शैक्षणिक पृष्ठभूमि भी सीमित है और वह एसएससी तक पढ़ी हुई है। पुलिस को शक है कि वह एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट से जुड़ी हो सकती है, जिसके तार देश और विदेश दोनों जगह फैले हो सकते हैं।

गिरफ्तारी के बाद आरोपी को रविवार को मुंबई के एस्प्लेनेड कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे 22 अप्रैल तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस अब उससे लगातार पूछताछ कर रही है ताकि इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों और पूरे रैकेट का खुलासा किया जा सके। मुंबई पुलिस और एंटी-नारकोटिक्स सेल का कहना है कि शहर में नशे के कारोबार पर सख्त निगरानी रखी जा रही है और इस तरह के नेटवर्क को खत्म करने के लिए लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

मुंबईः पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान के ससुर-साला हुए अरेस्ट... मुंबई पुलिस ने लिया एक्शन

मुंबईः भारत के पूर्व क्रिकेटर और तृणमूल कांग्रेस के सांसद यूसुफ पठान के ससुराल में हड़कंप मचा है. यूसुफ पठान के ससुर खालिद खान, साले और उनके एक रिश्तेदार को मुंबई पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है. यूसुफ पठान के ससुर-साले को बायकुला इलाके में एक युवक और उसके रिश्तेदारों की पिटाई करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है. शनिवार रात करीब 9 बजे एक कार से पानी गिरने के मामूली विवाद पर बात बिगड़ गई थी. इसके बाद मामला मारपीट में बदल गया और कहासुनी हो गई.

दरअसल, जब स्थानीय निवासी यूसुफ खान अपनी कार से घर जा रहे थे, तभी कार सड़क पर एक गड्ढे में चली गई और पानी उछलकर शोएब खान पर गिर गया. हालांकि, यूसुफ खान ने कार रोककर माफी मांगी, लेकिन शोएब ने उन्हें गाली दी और बांस की छड़ी से कार का शीशा तोड़ दिया, जिससे यूसुफ घायल हो गए. फिर असली लड़ाई शुरू हुई और मामला पुलिस तक जा पहुंचा.

कब और कैसे हुआ सबकुछ

बताया जा रहा है कि यह घटना शनिवार रात करीब 9 बजे हुई. 30 साल के यूसुफ खान घर लौट रहे थे. उनकी कार एक पानी के गड्ढे से गुजरी. इससे पानी उछलकर शोएब खान (35) पर जा गिरा. शोएब खान यूसुफ पठान के रिश्तेदार हैं. यूसुफ खान का दावा है कि उन्होंने तुरंत गाड़ी रोकी और माफी मांगी, लेकिन बात बढ़ गई और बहस शुरू हो गई. आरोप है कि शोएब खान ने उन्हें गालियां दीं, बांस की लाठी से उनकी कार का शीशा तोड़ दिया और उनके साथ मारपीट की. इसके बाद यूसुफ खान घर गए और अपने परिवार की सलाह पर पुलिस से संपर्क करने का फैसला किया. हालांकि, पुलिस स्टेशन जाते समय कथित तौर पर उनका सामना खालिद खान उर्फ मकालीक से हुआ, जो यूसुफ पठान के ससुर हैं. पुलिस के अनुसार, यूसुफ पठान के ससुर खालिद ने अपने बेटे उमरशाद खान (35), शोएब खान और एक अन्य आरोपी शहबाज पठान के साथ मिलकर यूसुफ खान और उनके परिवार के साथ फिर से झगड़ा और मारपीट की. इसके बाद पुलिस ने इस मामले में सीसीटीवी फुटेज की जांच की. इसके बाद बायकुला पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए खालिद खान, उमरशाद खान और शोएब खान को गिरफ्तार कर लिया. हालांकि, आरोपी शाहबाज पठान अभी भी फरार है और पुलिस उसकी तलाश कर रही है.

मुंबई से 68 KM दूर आशियाना... बार गर्ल से बनी 'ड्रग्स क्वीन', फ्लैट में 6 करोड़ का 'मर्सिडीज' वाला नशा

मुंबई: नेस्को ड्रग्स पार्टी मामले के बाद पुलिस ने पार्टी ड्रग्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है. एंटी नारकोटिक्स सेल को साकीनाका से जब्त 200 एक्स्टेसी गोलियों का टिटवाला कनेक्शन मिला. नार्को की टीम टिटवाला पहुंची, जहां पद्मावती रॉयल सोसायटी से ए. पॉल नाम की महिला को गिरफ्तार किया. उसके घर से 6 करोड़ रुपये की 5 हजार एक्स्टेसी गोलियां बरामद कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया. नेस्को कॉन्सर्ट ड्रग्स केस सामने आने पर एंटी नारकोटिक्स सेल हरकत में आई. दूसरे ही दिन घाटकोपर यूनिट के इनचार्ज पुलिस इंस्पेक्टर अनिल ढोले और उनकी टीम ने साकीनाका में छापा मारकर 200 एक्स्टेसी गोलियां जब्त की थीं. इस स्टॉक को रखने वाले इरफान अंसारी को गिरफ्तार किया गया. उसकी पूछताछ में पॉल का नाम सामने आया. पॉल पहले कल्याण में रहती थी और दो महीने पहले ही टिटवाला शिफ्ट हुई थी.

कैसे पहुंची घर तक पुलिस

डिप्टी कमिश्नर नवनाथ धवले की टीम लगातार तीन दिनों तक टेक्निकल सबूतों को इकट्ठा करती रही. फिर टीम टिटवाला स्थित उसके कॉम्प्लेक्स तक पहुंची,

लेकिन वहां उसके घर का पता लगाना एक चुनौती था. आखिरकार शनिवार रात टीम ने उसके घर पर छापा मारा. घर से 6 करोड़ रुपये की 5 हजार एक्स्टेसी गोलियां मिलने से पुलिस भी हैरान रह गई. पॉल को अंदाजा नहीं था कि पुलिस उस तक पहुंच सकती है, इसलिए वह बेफिक्र थी. पुलिस ने इरफान के बाद सुफियान नामक आरोपी को भी गिरफ्तार किया, जो पॉल और इरफान के बीच कड़ी था. उसी के जरिए पुलिस पॉल तक पहुंची.

डांस बार गर्ल से ड्रग्स क्विन

पॉल पहले डांस बार में काम करती थी. वहां से निकलने के बाद वह ड्रग्स सप्लायर बन गई. उसकी दो शादियां हो चुकी हैं. उसका एक पति आपराधिक प्रवृत्ति का है. पुलिस उसकी पूरी हिस्ट्री खंगाल रही है.

घर में 4-5 फोन और 7-8 सिम कार्ड

जांच टीम को उसके घर से 4 से 5 मोबाइल फोन और 7 से 8 सिम कार्ड मिले. वह पार्टी ड्रग्स की सप्लाई के लिए अलग-अलग नंबरों का अस्थायी रूप से इस्तेमाल करती थी. उसके फोन से बड़े रैकेट का खुलासा होने की संभावना है. वहीं, उसके घर से मिले गोलियों पर मर्सिडीज, डॉलर समेत अलग-अलग चिन्ह और अक्षर बने हुए हैं. इससे पहले नेस्को ड्रग्स पार्टी में जब्त गोलियों पर मर्सिडीज का निशान था, जबकि वर्ली पुलिस द्वारा जब्त गोलियों पर ऑडी का निशान मिला था. इरफान की गिरफ्तारी की जानकारी पॉल को नहीं थी. उसे लगता था कि पुलिस कभी भी उस तक नहीं पहुंच पाएगी, इसलिए उसने इतना बड़ा स्टॉक अपने घर में ही रखा हुआ था.

3000 रुपये में पासपोर्ट, विदेश भेजने का खेल... मुंबई में बड़ा फर्जीवाड़ा उजागर

मुंबई : फर्जी पासपोर्ट और संदिग्ध हवाला नेटवर्क को लेकर क्राइम ब्रांच ने बड़ी कार्रवाई की है. स्पेशल ब्रांचझ1 की एंटी टेररिस्ट यूनिट ने कुरार के पठानवाड़ी इलाके में छापेमारी कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसकी पहचान मोहम्मद इस्लाम इस्माइल खान उर्फ सलीम रहमतुल्लाह शेख के तौर पर हुई है. जांच में सामने आया है कि आरोपी के लिए ''सलीम रहमतुल्लाह शेख'' नाम से फर्जी पासपोर्ट तैयार करवाया गया था. यह पासपोर्ट महज ₹3000 में बनवाया गया और इसे तैयार कराने में बुट्टन शेख नाम का शख्स अहम कड़ी बताया जा रहा है, जो अब क्राइम ब्रांच के रडार पर है.

आंध्र से कुवैत तक आरोपी की टाइमलाइन

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, आरोपी मूल रूप से आंध्र प्रदेश का रहने वाला है और 1976 में उसका जन्म हुआ था. उसने मुंबई में 12वीं तक पढ़ाई की और फिर 1998 में काम के सिलसिले में कुवैत चला गया, जहां वह ड्राइवर के तौर पर काम करता था. बाद में उसने दावा किया कि एक अरब नागरिक ने उसे लॉन्ड्री का बिजनेस गिफ्ट किया, जिसे बढ़ाकर उसने तीन दुकानों तक पहुंचा दिया. साल 2004 में उसने कुवैत में ही अपना पासपोर्ट रिन्यू भी कराया था. बताया जा रहा है कि पारिवारिक विवादों के चलते वह वापस मुंबई लौटा, जहां उसके खिलाफ कुरार पुलिस स्टेशन में घरेलू हिंसा का मामला भी दर्ज हुआ.

फर्जी पहचान पर पासपोर्ट, एजेंसी के जरिए विदेश भेजने का खेल...

इसी दौरान दोबारा कुवैत जाने में दिक्कतें आने लगीं, जिसके बाद उसने 2007 में आंध्र प्रदेश जाकर फर्जी पहचान के साथ नया पासपोर्ट बनवा लिया. जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी ने मलाड ईस्ट के पठानवाड़ी इलाके में एक एजेंसी शुरू की थी. इस एजेंसी के जरिए कुवैत जाने वालों के इमिग्रेशन से जुड़े काम किए जाते थे. इस काम में उसका बेटा अबू बकर और उसका साथी इरफान भी शामिल थे. पुलिस को शक है कि आरोपी और बुट्टन शेख मिलकर लोगों को फर्जी पासपोर्ट पर विदेश भेजने का नेटवर्क चला रहे थे.

मुंबई : निवेश के नाम पर व्यापारी से 3.25 करोड़ की ठगी, बंधकर बनाकर मारपीट भी की

मुंबई : एक व्यवसायी से धोखाधड़ी और जबरन वसूली कर करीब 3.25 करोड़ रुपये ठगने का मामला सामने आया है। इसके साथ ही मारपीट करने की भी बात कही जा रही है। मामले को लेकर एक पुलिस अधिकारी ने सोमवार को बताया कि नौ सदस्यों वाले एक अंतरराज्यीय आपराधिक गिरोह ने इस घटना को अंजाम दिया। विले पार्ले पुलिस स्टेशन के अधिकारी के अनुसार, सभी नौ आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया गया है। इन आरोपियों में दो महिलाएं भी शामिल हैं। उन्होंने आगे बताया कि ये आरोपी मुंबई, ओडिशा, बिहार और झारखंड के रहने वाले हैं।

जुलाई 2025 से आरोपियों के संपर्क में थे

पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता एक निजी कंपनी चलाता है, जुलाई 2025 में 9 आरोपियों में से चार के संपर्क में आया था। उन लोगों ने खुद को ब्रोकर बताया था। अधिकारी के अनुसार, इस गिरोह ने 'आर्कशिप ग्रुप' नाम की एक कंपनी में निवेश करने के लिए व्यवसायी को मना लिया, और उसे भारी मुनाफे का वादा किया। उनकी बातों में आकर, व्यवसायी ने ऑनलाइन 1 करोड़ रुपये ट्रांसफर कर दिए। हालांकि, बाद में उसे पता चला कि वह रकम 'मानव धर्मयोग' नाम के एक ठक्कड के खाते में भेजी गई थी। वहीं, जब पीड़ित ने आरोपियों से इस बारे में पूछा, तो उसे अपनी कंपनी के जनरल मैनेजर के साथ विले पार्ले में वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे के पास एक होटल में मीटिंग के लिए बुलाया गया।

मीटिंग के लिए बुलाया फिर लूटे रुपये

अधिकारी ने बताया कि होटल में, गिरोह के सदस्यों ने कथित तौर पर उन दोनों के साथ मारपीट की और बंदूक की नोक पर उन्हें धमकाया। इसके बाद गिरोह ने 3 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी, और धमकी दी कि अगर व्यवसायी ने पैसे नहीं दिए तो वे उसे जान से मार देंगे। अपनी जान के डर से, उसने आरोपियों द्वारा दिए गए बैंक खातों में ऑनलाइन लगभग 2.25 करोड़ रुपये ट्रांसफर कर दिए।

मुंबई-ठाणे समेत कई जिलों में भी हो सकती है सीजन की पहली बारिश; झुलसाती गर्मी से मिलेगी राहत

मुंबई : मानसून से पहले इस सीजन की पहली बारिश की आशंका जताई गई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने मुंबई लिए मंगलवार को येलो अलर्ट जारी किया है। इस पूवार्नुमान से मुंबई के लोगों को हाल के दिनों में व्याप्त भीषण गर्मी और उमस से कुछ राहत मिलने की संभावना है। मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी करते हुए बताया कि मुंबई के अलग-अलग जिलों में मंगलवार को गरज-चमक के साथ आंधी-तूफान आएगा। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। साथ ही मुंबई के कई इलाकों में बारिश का भी अनुमान है। आईएमडी ने मुंबई के साथ ही पालघर जिले में भी बुधवार (22 अप्रैल) तक हल्की बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना जताई है।

मुंबई से बॉलीवुड तक था जलवा... कौन था असली मटका किंग? ओटीटी पर धूम

मुंबई : 70 के दशक पूरे देश में एक अजीब से सट्टे के लिए पागल हो रहा था. तकरीबन हर कोई सट्टे पर पैसा लगा रहा था. मुंबई का मटका सट्टा. पहले एक ओपन नंबर निकलता था और फिर क्लोज. रकम दांव पर लगाने वालों को एक पर्ची मिलती थी. जिसमें उसके लगाए नंबर और दांव लगाई रकम लिखी होती थी. और कुछ नहीं. जीते तो 9 गुना रकम मिलती थी. देश में जिस जगह लैंडलाइन फोन था, वहां इस सट्टे का जलवा था. इसका किंग था रतन खत्री. बंटवारे में

पाकिस्तान से उजड़ कर मुंबई आया एक नौजवान. सच में उसकी कहानी रंक से राजा बनने की जीती जागती मिसाल है. उसने हजारों करोड़ रुपए. बॉलीवुड में उसका जलवा था.

मटका किंग रतन खत्री की कहानी गजब की है. कैसे उसने ये सट्टा शुरू किया, कैसे भारत के सबसे बड़े अवैध जुआ साम्राज्य का संस्थापक बना. रतन खत्री 1960 के दशक में मुंबई में एक कपड़ा व्यापारी के यहां काम करता था. फिर वो एक सट्टा खिलाने वाले से जुड़ा. फिर अलग होकर अपना बड़ा एंपायर बनाया. रतन खत्री का जन्म लगभग 1932 में कराची में एक सिंधी हिंदू परिवार में हुआ था. 1947 के विभाजन के समय वह परिवार के साथ मुंबई आ गया. तब वह किशोर ही था. खत्री ने टेक्सटाइल मिलों और बाजारों में काम शुरू किया. मुंबई में उस समय कपड़ा मिलों, कपास कारोबार का बोलबाला था. न्यू यॉर्क कॉटन एक्सचेंज से आने वाले भावों से रोज बाजार ऊपर नीचे होता था.

बीच सड़क खड़ी कार हटाने को कहा, तो सिपाही को सरेराह पीटा और फाड़ दी वदी

कानपुर (एजेंसी) नजीराबाद में बीच सड़क खड़ी कार हटाने को कहने पर दबंग चालक ने अपने साथियों संग मिलकर ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक सिपाही को सरेराह पीटा और उनकी वर्दी फाड़ डाली। इसके बाद जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए, जिसके बाद पुलिस ने कार नंबर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। कानपुर में कल्याणपुर के बाद अब नजीराबाद क्षेत्र में ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक सिपाही के साथ मारपीट और अभद्रता की गई है। आरोप है कि बीच सड़क पर खड़ी कार हटाने को कहने पर चालक ने अपने साथियों को बुलाकर सिपाही को सरेराह पीटा और वर्दी भी फाड़ डाली। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने कार नंबर के चालक पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। यातायात पुलिस लाइन में तैनात ट्रैफिक सिपाही राकेश कुमार मिश्रा ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि 19 अप्रैल की रात उनकी ड्यूटी बाटा शोरूम कट पर लगी थी। रात करीब 8:25 बजे एक कार बीच सड़क पर खड़ी थी, जिससे यातायात प्रभावित हो रहा था। उन्होंने चालक से वाहन हटाने को कहा तो वह उल्टा गालीगलौज और बदसलूकी करने लगा। आरोपियों ने सिपाही की वर्दी फाड़ डाली विरोध करने पर चालक ने फोन कर अपने चार से छह साथियों को मौके पर बुला लिया। आरोप है कि सभी ने मिलकर उनके साथ मारपीट की, जिससे उनके चेहरे पर चोटें आईं। उन्हें आरोपियों से खुद को बचाने की कोशिश की, तो उन लोगों ने उनकी वर्दी फाड़ डाली। कार चालक और आरोपियों की तलाश किसी तरह उन्होंने खुद को बचाया और संबंधित इंचार्ज और कंट्रोल रूम को सूचना दी। आरोपी जाते समय जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। नजीराबाद इंस्पेक्टर पवन कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर कार चालक और आरोपियों का पता लगाया जा रहा है।

जेवर एयरपोर्ट बना तो मिले मुआवजे का सच, एक ही दिन में एक गांव में आ गई 21 स्कॉर्पियो

लखनऊ (एजेंसी) रौनेरा में किराना स्टोर संचालक अतुल कुमार का कहना था कि पैसा बैंक में जमा कर दिया। उससे घर और खेत खरीदे हैं। कुछ पैसा बचाकर रखा है। दयायनतपुर गांव के हंसराज को सात साल पहले 25 बीघा जमीन के एवज में करीब 9.5 करोड़ रुपये का मुआवजा मिला। उन्होंने ट्रैक्टर, कमर्शियल वाहन और छोटे उद्योगों में भी पैसा लगाया गया, ताकि स्थायी आय का स्रोत बन सके। उधर करोड़ों का मुआवजा मिला तो इधर अकेले दयानतपुर और रानेरा गांव में ही एक दिन में 21 स्कॉर्पियो की फ्लीट आ गई। रबूपुरा जैसे कस्बे में रात 09 के बाद भले खाना तलाश करना पड़े, लेकिन आईफोन आसानी से मिल जाएगा। विस्थापितों की आर एंड आर कॉलोनी में हुक्का गुड़गुड़ाते युवा मिल जाएंगे। आज शान की जिंदगी जी रहे हैं

पूछने पर बेरोजगारी का मुद्दा उठाते हैं, लेकिन हाथ में महंगे फोन और महंगी कारों की चाबियों ने 18-25 हजार की नौकरी के लिए हाथ बांध दिए हैं। हर किसी ने अचानक आई संपत्ति को फिजूलखर्ची में नहीं उड़ाया और आज वे शान की जिंदगी जी रहे हैं। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए जेवर क्षेत्र में की गई जमीन अधिग्रहण ने किसानों को आर्थिक स्थिति को पूरी तरह से बदल दिया है। दो चरणों में कुल 2,420 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया गया, जिसके बदले में लगभग 7,000 किसानों को 8,016 करोड़ का मुआवजा मिला। पहले चरण में 1,334 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया गया। यमुना सिटी के रीयल इस्टेट ब्रोकर अंशुमान प्रधान ने बतया कि ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट बनाने का विचार जब पहली बार सामने आया था, तब जेवर के गांवों के कई किसान भविष्य को लेकर असमंजस में थे लेकिन स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी है। करोड़ों आए, पर उड़ाए नहीं इस उछाल का फायदा उन किसानों को भी मिला, जिन्होंने अपनी कुछ जमीन बचाए रखी या आसपास नई जमीन खरीदी। कई लोगों ने मुआवजे की रकम को नई जमीन में निवेश किया, जबकि कुछ ने इसे बैंक जमा, बच्चों की शिक्षा और घर बनाने में लगाया। रबूपुरा में मोबाइल की दुकान चलाने वाले सुमित सिंह ने बताया कि शुरू में पैसा खर्च हुआ लेकिन फिर घर बनाया। तीन बच्चे निजी स्कूल में पढ़ रहे हैं। 40 किमी दूर 12 बीघा जमीन भी ले ली है। एयरपोर्ट के लिए सात गांवों के विस्थापितों के लिए यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (पीठा) ने आर एंड आर (रोहैबिलिटेशन एंड रीसेटरमेंट) कालोनी विकसित की गई है। जल भराव जैसी समस्याएं छोड़ दें पाश इलाकों के कालोनियों की तरह ये शानदार है।

मथुरा के राजपुर बांगर में रास्ते को लेकर हिंसक झड़प, पथराव और फायरिंग की चर्चा

मथुरा (एजेंसी) मथुरा के राजपुर बांगर गांव में रास्ते के विवाद को लेकर दो पक्षों में लाठी-डंडे और पथराव के साथ हिंसक झड़प हो गई। घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल हुआ, जबकि पुलिस ने फायरिंग की बात को पटाखों की आवाज बताकर जांच शुरू कर दी है। मथुरा के थाना जैत क्षेत्र के गांव राजपुर बांगर में सोमवार रात रास्ते के विवाद को लेकर दो पक्षो के लोग आमने-सामने आ गए। मामूली कहासुनी से शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। दोनों ओर से जमकर लाठी-डंडे चले और पथराव हुआ, जिससे गांव में अफरा-तफरी मच गई। घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसे आगरा रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, सोमवार रात करीब 10:30 बजे गांव निवासी मनीष और राहुल अपनी स्कूटी से घर लौट रहे थे। इसी दौरान सामने से दीपक अपनी कार लेकर आ

गया। रास्ता क्रॉस करने को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर दोनों पक्षों के लोग लाठी-डंडे लेकर निकल आए और एक-दूसरे पर हमला बोल दिया। संघर्ष के दौरान दोनों ओर से जमकर ईंट-पत्थर चले। स्थानीय लोगों के मुताबिक, मौके पर कई राउंड फायरिंग भी हुई, जिससे गांव में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही थाना जैत पुलिस भारी बल के साथ मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। एक पक्ष से राहुल के सिर में गंभीर चोट लगने के कारण उसे वृंदावन के सौ-शैय्या अस्पताल से आगरा रेफर किया गया है। मनीष को भी मामूली चोटें आई हैं। वही दूसरे पक्ष से राजेश सैनी घायल हुए हैं, जिनका पुलिस ने मेडिकल परीक्षण कराया है। पुलिस ने फायरिंग फायरिंग की पुष्टि होने से इंकार कर दिया है। वहीँ एक वायरल वीडियो में पुलिसकर्मी फायरिंग होने की बात कहता दिखाई दे रहा है और पीछे से धमाके की आवाज भी आ रही है। घटना के संबंध में जैत थाना प्रभारी उमेश चंद्र त्रिपाठी ने बताया कि फायरिंग की सूचना भ्रामक है।

जिसने आंखों के बिना देखी कान्हा की लीला, उनकी देहरी पर अंधेरा; सूरकुटी का ऐसा है हाल

आगरा (एजेंसी) महाकवि सूरदास की 548वीं जयंती पर उनकी तपोस्थली सूरकुटी उपेक्षा और प्रशासनिक अड़चनों के कारण विकास से वंचित नजर आई। वन विभाग की बंदिशों के चलते धरोहर स्थल का संरक्षण और मूलभूत सुविधाओं का विकास लंबे समय से रुका हुआ है। सूर-सूर तुलसी ससी, उड़गन केशवदास। अब के कवि खद्योत सम, जहां तहां करत प्रकास...। हिंदी साहित्य के आकाश में जिस महाकवि को सूर्य का दर्जा प्राप्त है, उनकी अपनी तपोस्थली रुनकता स्थित सूरकुटी गुमनामी और उपेक्षा के अंधेरे में है। महाकवि सूरदास की आज 548वीं जयंती है, लेकिन सूर सरोवर पक्षी विहार की बंदिशों और प्रशासनिक उदासीनता ने धरोहर को विकास की मुख्यधारा से काट दिया है। रुनकता स्थित सूरकुटी में वर्ष 1971 में तत्कालीन राष्ट्रपति वीवी गिरी ने एक भव्य श्रीकृष्ण मंदिर का निर्माण कराया था। यह एकमात्र मंदिर है, जहां आराध्य भगवान श्रीकृष्ण के साथ उनके अनन्य भक्त सूरदास की प्रतिमा भी स्थापित है और दोनों की एक साथ पूजा होती है। यहां 1978 में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और फिर 1980 में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी आ चुके हैं। सूरदास मंदिर के दृष्टिबाधित महंत गोपाल बताते हैं कि 55 साल पुरानी तपोस्थली में वर्ष 2017 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आए तो हालात बदलने की उम्मीद थी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। कीठम झील स्थित जिस वन्य क्षेत्र का नाम महाकवि के सम्मान में सूर सरोवर पक्षी विहार रखा गया, आज वही वन क्षेत्र

मंदिर के अस्तित्व के लिए चुनौती बन गया है। पक्षी विहार और ईको-सेंसिटिव जोन की बंदिशों के कारण वन विभाग ने यहां नए निर्माण और मरम्मत कार्य पर कड़ी रोक लगा रखी है। इस तकनीकी अड़चन के चलते मंदिर का संरक्षण नहीं हो पा रहा। परिसर में सूरदास की लाल पत्थर की विशाल प्रतिमा तो है, लेकिन पेयजल, शौचालय और बैठने जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव यहां आने वाले श्रद्धालुओं और साहित्य प्रेमियों को सालता है। अंधियारे जीवन में फैल रहा शिक्षा का उजियारा तमाम अभावों के बीच सूरकुटी में दृष्टिबाधित बच्चों के लिए एक निशुल्क विद्यालय संचालित है, जहां 50 से अधिक नन्हे सूरदास साहित्य, संस्कृति और संस्कारों की दीक्षा ले रहे हैं। प्राचार्य महेश कुमार ने बताया कि ये दृष्टिबाधित बच्चे महाकवि की समृद्ध विरासत को सहेजने का काम कर रहे हैं

एएमयू ने किया अध्ययन, बीमारी-अकेलापन और गरीबी बढ़ा रहे भूख का संकट

अलीगढ़ (एजेंसी) फूड एंड न्यूमैनिटी जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन के मुताबिक, करीब 38.2 फीसदी बुजुर्ग हल्की खाद्य असुरक्षा से जूझ रहे हैं, जबकि 5 फीसदी बुजुर्गों की स्थिति गंभीर है। यह अध्ययन देशभर के 31 हजार से अधिक बुजुर्गों के आंकड़ों पर आधारित है, जो इस समस्या की व्यापकता को बयां कर रहा है। बुजुर्गों की भूख अब सिर्फ रोटी की कमी का सवाल नहीं रह गई है, बल्कि यह बीमारी, अकेलेपन और आर्थिक तंगी का संयुक्त संकट बनती जा रही है। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के एक हालिया अध्ययन में यह बात

सामने आई है कि देश में बड़ी संख्या में बुजुर्ग किसी न किसी स्तर पर खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे हैं। फूड एंड न्यूमैनिटी जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन के मुताबिक, करीब 38.2 फीसदी बुजुर्ग हल्की खाद्य असुरक्षा से जूझ रहे हैं, जबकि 5 फीसदी बुजुर्गों की स्थिति गंभीर है। यह अध्ययन देशभर के 31 हजार से अधिक बुजुर्गों के आंकड़ों पर आधारित है, जो इस समस्या की व्यापकता को बयां कर रहा है। प्रदेश में भी स्थिति अलग नहीं है। अलीगढ़ और आसपास के क्षेत्रों में ऐसे कई बुजुर्ग मिलते हैं जो या तो अकेले रह रहे हैं या परिवार के सहयोग से वंचित हैं। ग्रामीण इलाकों में खेती से दूरी और शहरी क्षेत्रों में अकेलापन, दोनों ही हालात भोजन की उपलब्धता को प्रभावित कर रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार मध्य प्रदेश (10.47%) इस सूची में सबसे ऊपर है, जहां हर दस में से एक बुजुर्ग गंभीर भूख की स्थिति में है। इसके बाद झारखंड (8.17%), तमिलनाडु (7.93%), बिहार (7.88%) और पश्चिम बंगाल (7.55%) का स्थान है। उत्तर प्रदेश में यह संख्या 7.13% है। इन राज्यों में राष्ट्रीय औसत 5.14 प्रतिशत से काफी अधिक बुजुर्ग गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे हैं, जो क्षेत्रीय असमानताओं और सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों को उजागर करता है। आंकड़े ये भी बताते हैं कि मुस्लिम और ईसाई समुदायों के बुजुर्गों में खाद्य असुरक्षा का स्तर अपेक्षाकृत अधिक है, जबकि हिंदू और सिख समुदायों में स्थिति तुलनात्मक रूप से बेहतर पाई गई। भूगोल विभाग के शोधकताओं का कहना है कि हर पांच में से एक बुजुर्ग किसी न किसी स्तर पर भोजन की असुरक्षा से जूझ रहा है। सरकारी योजनाएं जैसे वृद्धावस्था पेंशन और राशन कार्ड मौजूद हैं, लेकिन कई बुजुर्गों तक लाभ समय पर नहीं पहुंचता। इसमें पहचान और पंजीकरण की दिक्कत के अलावा पोषण पर खास फोकस की कमी देखी जा रही है। अगर समय रहते स्थानीय स्तर पर पहचान और मदद की व्यवस्था मजबूत नहीं हुई, तो आने वाले वर्षों में यह समस्या और गहरी हो सकती है। बीमारी के साथ भूख की दोहरी मार एक तरफ गांवों में बुजुर्ग खेती से अलग हो रहे हैं और दूसरी ओर शहरों में अकेले रहने वाले बुजुर्गों के सामने भोजन की समस्या पैदा हो रही है।

यशराज स्टूडियो में शूटिंग के दौरान नेहा धूपिया को शुरू हुआ था लेबर पेन, बोलीं- ये हमेशा याद रहेगा

मां बनना सिर्फ एक पर्सनल एक्सपीरियंस नहीं होता, बल्कि इसके साथ कई जिम्मेदारियां और चुनौतियां भी जुड़ी होती हैं. खासकर जब करियर और परिवार दोनों को साथ लेकर चलना होता है. अब इस बीच एक्ट्रेस नेहा धूपिया ने अपनी प्रेग्नेंसी के दौरान काम को लेकर अपने अनुभव शेयर किया. दरअसल, नेहा धूपिया हाल ही में परिणीति चोपड़ा के नए टॉक शो 'मॉम टॉक्स' में नजर आईं. इस शो में सेलेब्स अपने पेरेंटिंग अनुभव शेयर करते हैं. शो के दौरान नेहा धूपिया ने अपनी प्रेग्नेंसी के समय का एक ऐसा अनुभव बताया, जिसने सभी को हैरान कर दिया. एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने प्रेग्नेंसी के आखिरी समय तक काम किया है.

नेहा धूपिया ने कहा, 'मैंने करीब साढ़े आठ महीने की प्रेग्नेंसी तक काम किया. मैं चाहती थी कि मां बनने के बाद भी मेरा काम जारी रहे और मैं जल्द ही अपने प्रोफेशन में वापस लौट सकूं. मुझे शूटिंग के दौरान ही लेबर पेन शुरू हो गए थे. ये सब यशराज स्टूडियो में हुआ, जहां मैं काम कर रही थी. यह अनुभव मेरे लिए काफी अलग और यादगार रहा.' शो में नेहा धूपिया ने कहा, 'एक कामकाजी मां के लिए सबसे बड़ी चुनौती समाज की उम्मीदें होती हैं. मां बनने के बाद भी एक महिला को अपने सपनों और काम को जारी रखने का पूरा अधिकार है. मां बनने के बाद जिंदगी पूरी तरह बदल जानी चाहिए, ऐसा जरूरी नहीं है. महिलाओं को खुद तय करना चाहिए कि वो अपनी जिंदगी कैसे जीना चाहती हैं.' नेहा ने आगे कहा, 'मां बनने के बाद काम और परिवार के बीच बैलेंस बनाना आसान नहीं होता, लेकिन अगर मन में पक्का इरादा हो, तो यह भी किया जा सकता है.

पांच साल में बनाया भारत में सबसे बड़ा रिकॉर्ड

संजय की चार फिल्मों ने ली 1000 करोड़ क्लब में एंट्री

बॉलीवुड के एक मशहूर अभिनेता के नाम बड़ा रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। उनकी अलग-अलग चार फिल्मों ने 1000 करोड़ क्लब में एंट्री ली है। ऐसा कोई खान स्टार या साउथ का स्टार नहीं कर सका।

यह आम राय है कि बॉक्स ऑफिस पर खान स्टार्स और साउथ के बड़े अभिनेताओं का दबदबा रहता है। हालांकि इस बार मामला थोड़ा अलग है। पिछले कुछ वर्षों में एक एक्टर ने ऐसा रिकॉर्ड बनाया है जो लोगों को हैरान कर रहा है। उन्होंने अलग-अलग भाषाओं की फिल्में की हैं। उनकी चार फिल्में 1000 करोड़ क्लब में पहुंची हैं।

अभिनेता ने खान और साउथ के कलाकारों को छोड़ा पीछे

यह कोई और अभिनेता नहीं बल्कि बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता संजय दत्त हैं। उनकी चार अलग-अलग फिल्मों ने 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की है। इस रिकॉर्ड की खास बात यह है कि कई बड़े स्टार्स ऐसा रिकॉर्ड नहीं बना पाए हैं। इस लिस्ट में आमिर खान, शाहरुख खान और प्रभास जैसे सितारे हैं। हालांकि संजय दत्त इन सब लोगों से आगे हैं। कई सितारों की एक या दो ही फिल्में 1000 करोड़ क्लब तक पहुंची हैं। लेकिन संजय दत्त की एक नहीं चार फिल्में 1000 करोड़ क्लब तक पहुंची हैं।

इन फिल्मों ने कमाए 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा

संजय दत्त ने 'केजीएफ चैप्टर 2' (2022) में अपने विलेन के किरदार से काफी चर्चा बटोरी। संजय दत्त की यह पहली फिल्म थी जिसने 1000 करोड़ क्लब में एंट्री मारी थी। इसके बाद 'जवान' ने 1100 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की। इसमें शाहरुख खान लीड रोल में थे। 'धुरंधर' (2025) में भी संजय दत्त नजर आए थे। इस फिल्म ने 1300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया। इसी तरह से 'धुरंधर 2' (2026) ने एक महीने में 1700 करोड़ रुपये से भी ज्यादा का कलेक्शन किया है।

संजय दत्त के नाम बड़ा रिकॉर्ड

इस तरह से संजय दत्त अकेले ऐसे अभिनेता हैं, जिनकी 4 फिल्मों ने 1000 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार किया है। उनका ये रिकॉर्ड काफी खास माना जा रहा है।

अक्षय कुमार बोले- मेरा बेटा 4500 की नौकरी कर रहा

एक्टर अक्षय कुमार अपनी फिल्म 'भूत बंगला' से फैंस को खूब हंसा रहे हैं। उन्होंने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया है कि उनके बेटे को फिल्मों में आने में कोई दिलचस्पी नहीं है और वो फैशन में अपना करियर बना रहा है।

अक्षय कुमार का बेटा आरव भाटिया

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार दो दशकों से अधिक समय से अपनी फिल्मों से लोगों का मनोरंजन कर रहे हैं। उनकी पत्नी ट्विंकल खन्ना भी कुछ समय के लिए फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा थीं। हालांकि, एक्टर ने हाल ही में खुलासा किया कि उनके बेटे आरव को फिल्मों में कोई दिलचस्पी नहीं है और वह फैशन में अपना करियर बना रहे हैं। उन्होंने ये भी बताया कि वो खुद कमा भी रहे हैं। अक्षय कुमार ने कहा कि उनका बेटा उनसे बहुत अलग नहीं है और आगे कहा, 'हम दोनों में बहुत समानता है। उसे फिटनेस का शौक है, और मुझे भी। वह लंबा है और बहुत ही फोकस्ड है। उसे काम करना पसंद है। लेकिन वह फिल्मों में नहीं आना चाहता। उसकी ऐसी कोई योजना नहीं है। वह फैशन में अपना करियर बनाना चाहता है।' वह बेचारा आज भी 4500 रुपये की नौकरी कर रहा है। अच्छी बात है, क्यों नहीं? वह गांवों में जाकर वहां से फैशन सीख रहा है, अलग-अलग तरह के प्रिंट्स वगैरह। मैं उसे ज्यादा उपदेश नहीं देता, लेकिन मैंने उसे हिदायत दी है कि किसी को नुकसान न पहुंचाए।

आरव भाटिया कौन हैं?

आरव भाटिया का जन्म 2002 में हुआ था और वे अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना के सबसे बड़े बेटे हैं। 15 साल की उम्र में वे उच्च शिक्षा के लिए विदेश चले गए और फिलहाल लंदन के एक विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रहे हैं। उनकी छोटी बहन नितारा (जन्म 2012) अक्सर ट्विंकल के सोशल मीडिया पर नजर आती हैं, जबकि आरव लाइमलाइट से दूर रहना पसंद करते हैं।

मुंबई : लेंसकार्ट विरोध प्रदर्शन में बीजेपी नेता ने हिंदू कर्मचारियों को थप्पड़ मारा, चूड़ियां बांधीं

मुंबई : लेंसकार्ट, जो एक पॉपुलर आईवियर ब्रांड है, की ड्रेस कोड पॉलिसी को लेकर हाल ही में हुए विवाद ने तनाव बढ़ा दिया है। ऐसी रिपोर्टें सामने आईं जिनमें दावा किया गया कि कंपनी ने कुछ नियम लागू किए हैं, जिससे हिंदू कर्मचारी अपनी आस्था के पारंपरिक निशान, जैसे बिंदी, मंगलसूत्र और चूड़ियां नहीं पहन सकते। इस पॉलिसी में विवादित तौर पर मुस्लिम कर्मचारियों को हिजाब पहनने की भी इजाजत दी गई, जिससे राजनीतिक और धार्मिक नेताओं सहित कई जगहों से कड़ी आलोचना हुई।

ड्रेस कोड विवाद यह विवाद तब शुरू हुआ जब लेंसकार्ट, जो देश भर में अपने आईवियर स्टोर की बड़ी चेन के लिए जाना जाता है, ने कथित तौर पर अपने कर्मचारियों के लिए एक ड्रेस कोड जारी किया। गाइडलाइंस के मुताबिक, हिंदू कर्मचारियों को बिंदी, मंगलसूत्र और चूड़ियां जैसे कुछ धार्मिक निशान पहनने से मना किया गया था, जो आमतौर पर शादीशुदा महिलाएं पहनती हैं। कई लोगों ने इस

पॉलिसी को एक सेक्युलर ड्रेस कोड लागू करने की कोशिश के तौर पर देखा, जो काम की जगह पर हिंदू पहचान दिखाने को हतोत्साहित करता है।

इसके उलट, ड्रेस कोड में साफ तौर पर मुस्लिम कर्मचारियों को हिजाब पहनने की इजाजत दी गई, जिससे और गुस्सा फैल गया। धार्मिक निशानों के साथ भेदभाव की वजह से भेदभाव और धार्मिक भेदभाव के आरोप लगे, जिसमें आलोचकों ने लेंसकार्ट पर अपनी वर्कप्लेस पॉलिसी में धार्मिक भेदभाव को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। बीजेपी लीडर नाज़िया इलाही खान का विरोध मामला तब और बिगड़ गया जब बीजेपी लीडर नाज़िया इलाही खान, जो एक जानी-मानी मुस्लिम महिला पॉलिटिशियन हैं, कंपनी की पॉलिसी का विरोध करने के लिए मुंबई में एक लेंसकार्ट स्टोर गईं। खान, जो हिंदू अधिकारों के लिए खुलकर सपोर्ट करने के लिए जानी जाती हैं, स्टोर में घुसीं और फ्लोर मैनेजर, मोशिन खान से भिड़ गईं, और लेंसकार्ट पर हिंदू परंपराओं और मान्यताओं का अपमान करने का आरोप लगाया। अपने विरोध के दौरान, खान ने स्टोर में काम करने वाले हिंदू कर्मचारियों को तिलक लगाया, जो कंपनी के ड्रेस कोड की पाबंदियों को चुनौती देने जैसा था। उन्होंने कई कर्मचारियों को चूड़ियां भी पहनाईं, जिन्हें ड्रेस कोड के अनुसार ऐसे गहने पहनने की इजाजत नहीं थी।

मुंबई : अहमदाबाद हाईवे के पास पेल्हार में गोदाम में आग

मुंबई : मुंबई-अहमदाबाद हाईवे के पास पेल्हार स्थित खान कंपाउंड में सोमवार सुबह एक इंडस्ट्रियल गोदाम में भीषण आग लग गई। यह घटना 21 अप्रैल की सुबह सामने आई, जिससे इलाके में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार, आग लगने की सूचना मिलते ही वसई-विरार फायर ब्रिगेड की कई टीमें तुरंत मौके के लिए रवाना हुईं। फायर ब्रिगेड की टीमों ने पानी के टैंकरों की मदद से आग बुझाने का अभियान शुरू किया। आग की तीव्रता को देखते हुए अतिरिक्त संसाधनों को भी मौके पर लगाया गया ताकि स्थिति को जल्द से जल्द नियंत्रित किया जा सके।

लगातार प्रयासों के बाद लगभग 90 मिनट के भीतर आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। फायर ब्रिगेड अधिकारियों के अनुसार, आग को

फैलने से रोकने में समय रहते की गई कार्रवाई अहम साबित हुई। इस घटना में राहत की बात यह रही कि किसी भी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं मिली है। गोदाम में मौजूद कर्मचारी समय रहते बाहर निकलने में सफल रहे, जिससे बड़ी दुर्घटना टल गई। हालांकि आग लगने के कारण गोदाम में रखा सामान पूरी तरह जलकर या आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गया। शुरूआती अनुमान के मुताबिक, इसमें भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। गोदाम में रखे सामान की प्रकृति और नुकसान का पूरा आकलन अभी किया जा रहा है। स्थानीय प्रशासन और फायर विभाग की टीम ने मौके का निरीक्षण किया और आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी है। अभी तक आग लगने के पीछे का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है, लेकिन शॉर्ट सर्किट या अन्य तकनीकी कारणों की संभावना से इनकार नहीं किया जा रहा है। घटना के बाद आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा के लिहाज से निगरानी बढ़ा दी गई है ताकि किसी भी तरह की दोबारा घटना को रोका जा सके। साथ ही, औद्योगिक इकाइयों में सुरक्षा मानकों की जांच की प्रक्रिया भी शुरू की जा सकती है। स्थानीय लोगों ने बताया कि आग की लपटें और धुआं काफी दूर से दिखाई दे रहा था, जिससे इलाके में कुछ समय के लिए दहशत का माहौल बन गया था। हालांकि समय रहते फायर ब्रिगेड की कार्रवाई से स्थिति नियंत्रण में आ गई।

मुंबई : पुश्तैनी जमीन के अलॉटमेंट पर पंजीकरण शुल्क माफ...

मुंबई: महाराष्ट्र सरकार ने राज्य के किसानों और आम जनता को बड़ी राहत देते हुए खेती की जमीन के अलॉटमेंट सर्टिफिकेट पर लगने वाली रजिस्ट्रेशन फीस पूरी तरह से माफ कर दिया है। इस बारे में राजस्व विभाग ने सर्कुलर जारी कर दिया है। महाराष्ट्र लैंड रेवेन्यू कोड, 1966 के सेक्शन 85 के तहत आने वाले मामलों सहित आपसी सहमति से रजिस्ट्रेशन के लिए आने वाली पुश्तैनी खेती की जमीन के अलॉटमेंट सर्टिफिकेट को रजिस्ट्रेशन फीस से पूरी तरह से छूट दे दी गई है। राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने यह फैसला मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्देश पर लिया है। सरकार की तरफ से 23 जून 2025 को जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, सेक्शन 85 के तहत एक ही परिवार के सदस्यों द्वारा किए गए खेती की जमीन के अलॉटमेंट पर कोई

रजिस्ट्रेशन फीस नहीं ली जाएगी। इस सेक्शन के तहत अलॉटमेंट जारी करने का अधिकार तहसीलदार के पास है। लेकिन कई नागरिक आपसी सहमति से तहसीलदार के पास जाए बिना सीधे सेकेंडरी रजिस्ट्रार ऑफिस में रजिस्ट्रेशन के लिए अलॉटमेंट जमा कर रहे थे। सरकार के ध्यान में आया कि सेकेंडरी रजिस्ट्रार ऑफिस इस आधार पर रजिस्ट्रेशन फीस ले रहे थे कि ओरिजिनल नोटिफिकेशन में कोई साफ प्रोविजन नहीं था। किसानों के बीच इस असमंजस को दूर करने के लिए सरकार ने एक अहम कदम उठाया है। राजस्व विभाग के अनुसार सेक्शन 85 के तहत तहसीलदार स्तर पर किए गए अलॉटमेंट के रजिस्ट्रेशन के लिए कोई फीस नहीं ली जाएगी। जिन सभी को-ओनर्स को विरासत में पुश्तैनी खेती की जमीन मिली है, उनके द्वारा सीधे रजिस्ट्रेशन ऑफिस में जमा किए गए अलॉटमेंट पर भी अब रजिस्ट्रेशन फीस से छूट मिलेगी। एक ही परिवार के सदस्यों के बीच खेती की जमीन के बंटवारे के दस्तावेज पर कोई फीस नहीं लगेगी। इस फैसले से खेती की जमीन के बंटवारे का खर्च बचेगा और झगड़ों की संख्या कम करने में मदद मिलेगी। राजस्व मंत्री बावनकुले ने बताया कि अगर एक ही परिवार के सदस्य आपस में पुश्तैनी जमीन बांटते हैं तो रजिस्ट्रेशन फीस माफ करने का फैसला किया गया था।

मुंबई : नगर निगम में महिला आरक्षण बिल पर महायुति- विपक्ष में टकराव

मुंबई : हाउस में सोमवार को संसद में महिला आरक्षण बिल के पारित न होने को लेकर जोरदार राजनीतिक विरोध देखने को मिला। इस मुद्दे पर सत्ताधारी महायुति और विपक्षी दलों के बीच तीखी बयानबाजी और विरोध प्रदर्शन हुआ। संसद में महिला आरक्षण बिल के फेल होने के विरोध में महायुति के सदस्यों ने काले कपड़े और काले रिबन पहनकर अपना विरोध दर्ज कराया। इस दौरान हाउस की चेयरपर्सन और मेयर रितु तावड़े भी काली साड़ी पहनकर सदन में उपस्थित रहीं, जिससे यह विरोध और अधिक प्रतीकात्मक बन गया।

महायुति के नेताओं ने कहा कि वे इस बिल के पारित न होने को महिलाओं के प्रतिनिधित्व के खिलाफ मानते हैं और इसके विरोध में मंगलवार शाम को एक बड़ी रैली आयोजित की जाएगी। इस रैली में देवेंद्र फडणवीस के साथ सभी महायुति पार्षद शामिल होंगे। इस बीच सदन के नेता गणेश खंकर ने शिवसेना (वइळ) और कांग्रेस सहित विपक्षी दलों की आलोचना करते हुए बयान दिया, जिसके बाद सदन में दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस और जुबानी टकराव देखने को मिला।

विरोध के दौरान अलग-अलग राजनीतिक दलों ने अलग-अलग तरीके से अपनी नाराजगी जताई। भारतीय जनता पार्टी के पार्षदों ने काले कपड़े पहनकर विरोध दर्ज कराया, जबकि शिंदे गुट के पार्षदों ने भी काले रिबन लगाकर विपक्ष के खिलाफ अपनी प्रतिक्रिया दी। वहीं दूसरी ओर, उद्धव ठाकरे गुट के पार्षदों ने भगवा कपड़े पहनकर सत्ता पक्ष के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया, जिससे सदन में राजनीतिक मतभेद और स्पष्ट रूप से सामने आ गए। महिला आरक्षण बिल के मुद्दे को लेकर हुए इस विरोध ने नगर निगम की कार्यवाही को भी प्रभावित किया और पूरे सदन का माहौल तनावपूर्ण बना रहा। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाए और अपने-अपने रुख को सही ठहराने की कोशिश की।

वडाला में आग से निजी बसों का नुकसान

मुंबई : मुंबई के वडाला इलाके में स्थित आरटीओ पार्किंग में सोमवार को दोपहर में अचानक आग लगने से यहां खलबली मच गई। आग की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और आग पर काबू पा लिया। इस घटना में तीन निजी बसें जलकर खाक हो गई है। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। फायर ब्रिगेड के अधिकारी ने पत्रकारों को बताया कि मुंबई के वडाला टीटी इलाके में स्थित आरटीओ पार्किंग खड़ी बसों में आग लगने सूचना मिली थी।

इसी जानकारी के बाद उनकी टीम मौके पर पहुंची और तीनों बस

में लगी आग बुझा दिया है। वडाला पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि पार्किंग स्थल पर पहले एक बस में आग लगी थी। देखते ही देखते यह आग तीन अन्य बसों तक पहुंच गई। मौके पर तत्काल अन्य बसों को हटा दिया गया था, जिससे यहां ज्यादा नुकसान नहीं हुआ। आग लगने के कारणों का पता लगाने का प्रयास जारी है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर 4 ए, फ्लोर-जीआरडी, 29 डी, शबन हाउस, वंजावाडी लेन, माहिम वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400016 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhani.com